PLACEMENTS

Few companies where our students are already placed

- Ultratech Cement Pvt. Ltd.
- JK Lakshmi Cement
- GHCL (Gujrat Heavy Chemicals Limited)
- CEAT Tyres Pvt. Ltd.
- S.K. Khetan Infraprojects Pvt. Ltd.

INFRASTRUCTURE & FACILITIES

प्रांगण

महाविद्यालय का प्रांगण 4581 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। भावी विस्तार योजनाओं में 8000 वर्ग मीटर प्रस्तावित है। अकादमिक एवं व्यावसायिक स्तर पर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तर की सेवाएं प्रदान करने के लिये महाविद्यालय प्रतिबद्ध है।

छात्रावास

छात्रों एवं छात्राओं के लिये पृथक व्यवस्था है। छात्रावास महाविद्यालय प्रांगण के मध्य स्थित है तथा डबल बेड, स्टडी टेबल एवं अलमारीयों से सुसज्जित है। खाने की व्यवस्था भी महाविद्यालय में ही होने से छात्रों के लिये आसानी हो जाती है। अन्य सुविधाओं में स्नानागार जिनमें 24 घण्टे सौर संचालित गर्म पानी एवं 24 घण्टे विद्युत सुविधा उपलब्ध है।

मनोरंजन गतिविधियां

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ मस्तिष्क बेहतर तरीके से कार्य करता है। खेल हमारे अन्दर अच्छे गुणों का विकास करते हैं। प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में रुचि लेने से हमारे अन्दर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास होता है। टीम में खेलने से खिलाड़ियों में सहयोग की भावना का विकास होता है। खेल गतिविधियों के अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों का भ्रमण भी महाविद्यालय कराता है। ऐसा करने से महाविद्यालय एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के मध्य सेतु बनाने में मदद मिलती है। इनके अतिरिक्त हम छात्रों को हमारे वार्षिकोत्सवमें भाग लेने को प्रोत्साहित करते हैं।

Admission Procedure: Forms can be filled & downloaded from the Website: www.pacific-university.ac.in | Email: info@pacific-university.ac.in

Pacific Polytechnic College (Approved by AICTE, New Delhi)
Pacific Hills, Pratap Nagar Extension, Airport Road, Debari, Udaipur - 313024 (Raj.) India
Tel.: 0294-2665000, Mob. +91 9672970940, 9530360191
Email: polytechnic@pacific-university.ac.in | www.pacific-polytechnic.ac.in

पेसिफिक पॉलीटेक्निक कॉलेज

AICTE नई दिल्ली, द्वारा अनुमोदित

Stress Free Education

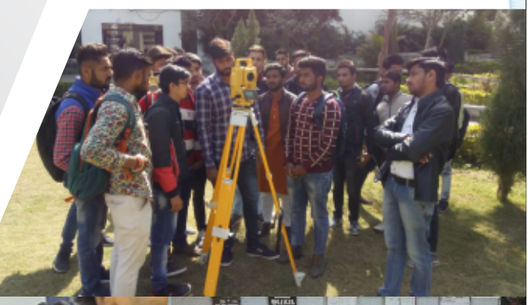

पॉलीटेक्निक पाठ्यक्रम हुआ अब 12वीं के समकक्ष

11वीं तथा 12वीं कक्षाओं की पढ़ाई का डर छोड़
10वीं पश्चात इंजीनियरिंग करें

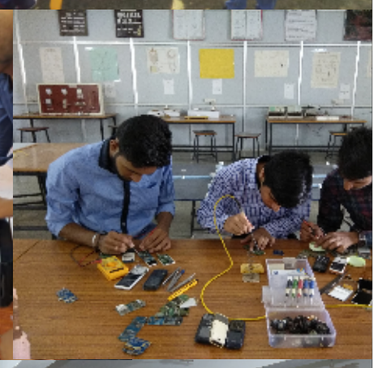

10वीं के बाद सीधे इंजीनियर बनें 6 साल में

महाविद्यालय परिचय

पॉलीटेक्निक शब्द युनानी शब्द पोली अर्थात् 'कई' तथा टेक्निकोस (Tekhnikos) अर्थात् 'कला' से मिलकर बना है। इसका अर्थ है 'कई कलाओं में माहिर। पॉलीटेक्निक महाविद्यालय का उद्देश्य भी छात्रों को व्यावसायिक तथा तकनीकी विद्याओं में समन्वय से उत्कृष्ट तथा पूर्ण रूप से दक्ष टेक्नोक्रेट बनाना है।

पेसिफिक पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रोजगार उन्मुखी कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देने तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने की भावनाओं के साथ प्रारम्भ किया गया है जिससे छात्र स्वावलम्बन की प्रेरणा के साथ आत्मनिर्भर बन सके तथा साथ ही तकनीकी रूप से कार्य कुशल बन अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकें।

लक्ष्य

पेसिफिक पॉलीटेक्निक महाविद्यालय का लक्ष्य विषय तथा तकनीकी रूप में महारत हासिल किये अभियन्ता तैयार करना है जो राष्ट्र विकास के कार्यों में अपना योगदान दे सके। महाविद्यालय उत्कृष्ठ शिक्षा प्रदान कर विश्व दृष्टिकोण तथा भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकने योग्य कार्यकुशल इंजीनियर तैयार करेगा।

उद्देश्य

पेसिफिक पॉलीटेक्निक महाविद्यालय निम्न उद्देश्यों की पूर्ति हेतु स्थापित किया गया है।

- उत्कृष्ट तथा गुणवत्ता पूर्ण तकनीकी तथा व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करना।
- नयी योजनाएं बनाने तथा नये उद्यमों को शुरू करने की क्षमता से सम्पन्न उद्यमी तैयार करना। भविष्य के लिये व्यवहार परक तथा रोजगार उन्मुखी कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट ज्ञान को बढ़ावा देना।
- उद्योगों की मांग के अनुसार तकनीक तथा कार्यकुशल अभियन्ता तैयार करना।
- सामाजिक रूप से दक्ष, व्यवहार कुशल, देशभक्त, उद्यमी नागरिक तैयार करना।

पुस्तकालय

वर्तमान महाविद्यालय के पुस्तकालय में 25,000 पुस्तके है यह 420 वर्ग के क्षेत्र में फैली हुई पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है। यहां इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	योग्यता	अवधि
1	डिप्लोमा पॉलीटेक्निक	10वीं पास	3 साल
2	डिप्लोमा + बी.टेक	10वीं पास	संकलित 6 साल
3	डिप्लोमा (Lateral Entry) सीधे दूसरे साल में प्रवेश	10वीं + 2 वर्ष की आई. टी. आई. या 10+2 (विज्ञान + गणित)	2 साल

संकाय

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (Computer Science & Engineering)

इस संकाय में छात्रों को वेब डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट एप्लीकेशन डवलपमेन्ट, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, कम्प्यूटर नेटवर्किंग, डाटाबेस मैनेजमेन्ट, डाटा स्ट्रक्चर व कम्प्यूटर हार्डवेयर के साथ-साथ प्रोग्रामिंग लेंग्वेजेस जैसे पाइथन, C, C++ इत्यादि का सैद्धांतिक व प्रायोगिक अध्ययन कराया जाता है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग (Mechanical Engineering)

वर्तमान में सबसे ज्यादा डिमान्ड मेकेनिकल इंजीनियरिंग की है। इस संकाय में मशीन से सम्बन्धित कार्य, मरम्मत, कल पूर्जे की बनावट आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस हेतु इस संकाय में वर्कशॉप, मशीनशॉप, फिटिंगशॉप, वेल्डिंग, फ्लूइड मेकेनिक्स तथा मटेरियल टेस्टिंग, तथा थर्मल इंजिनियरिंग इत्यादि का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक अध्ययन होता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (Electrical Engineering)

इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग ब्रान्च में विभिन्न इलेक्ट्रिकल मशीन एव उपकरणों की बनावट, कार्यप्रणाली एव मरम्मत संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है। इस काय हेतु यहाँ पर सुव्यवस्थित प्रयोगशाला स्थापित है। वर्तमान में इलेक्ट्रिकल व्हीकल के चलन में आने से इलेक्ट्रिकल इंजिनियर की मांग बढ़ रही है।

माइनिंग इंजीनियरिंग (Mining Engineering)

इस संकाय में खनन क्षेत्र से सम्बंधित ज्ञान प्रदान किया जाता है। इस खनन अभियांत्रिकी में खनन क्षेत्र मार्बल, ग्रेनाईट, जिंक तथा खनिज के खनन में प्रयुक्त उपकरण एवं वैज्ञानिक तकनीकी का ज्ञान दिया जाता है। इस क्षेत्र में राजस्थान में अपार सम्भावनाएं है, क्योंकि राजस्थान में प्रचूर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध है। इसमें सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनो प्रकार का अध्ययन कराया जाता है।

सिविल इंजीनियरिंग (Civil Engineering)

इस विभाग में सिविल इंजिनियरिंग के क्षेत्र जैसे सड़क, पुल, भवन, आदि की रूपरेखा, निर्माण तथा मरम्त इन सबका प्रायोगिक तथा सैद्धान्तिक अध्ययन होता है। जिससे भविष्य के निर्माण की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह संकाय छात्रों को नौकरी स्वयं का व्यवसाय आरम्भ करने तथा तथा उच्च शिक्षा के लिये तैयार करता है।